

खबर संक्षेप

आज से सावन की होगी शुरुआत



बैकुण्ठपुर। श्रावण मास की पावन शुरुआत इस वर्ष 11 जुलाई शुक्रवार से हो रही है। भगवान शिव को समर्पित यह मास श्रद्धा, भक्ति और तपस्या का प्रतीक माना जाता है। सावन की पहली संध्या से ही जिले के मंदिरों में विशेष आरती, झांकी, भजन और रुद्राभिषेक की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों प्रेमाबाग, झुपका और झुगीगढ़ में शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। मंदिरों को आकर्षक सजावट से सजाया गया है और समिति सदस्यों द्वारा विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा भी तय कर दी गई है। प्रेमाबाग के प्राचीन शिव मंदिर में सावन के पहले दिन भव्य श्रृंगार, पंचामृत स्नान और शिव महिम्न स्तोत्र पाठ होगा। मंदिर समिति द्वारा रात्रि भजन संध्या का भी आयोजन किया गया है जिसमें स्थानीय भजन मंडलियों प्रस्तुति देंगी। सावन के तीसरे सोमवार को झुगीगढ़ के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में कांवड़ियों का जल्था पहुंचेगा, जो स्थानीय जलखोतों से जल लेकर शिवलिंग पर अभिषेक करेंगे।

कैरियर काउंसिलिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला

अनुपपुर। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सलेंस शासकीय तुलसी कॉलेज अनुपपुर में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना उच्च शिक्षा एवं केके मेमोरियल समिति शाहपुर जिला उमरिया के द्वारा कैरियर काउंसिलिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तुलसी महाविद्यालय के विज्ञान भवन के सभागार में प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि अजय श्रीवास्तव और श्री नामदेव और डॉ. सुशील सिंघल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और कैरियर काउंसिलिंग पर छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित कर कैरियर से संबंधित उनकी समस्याओं का समाधान कर मार्गदर्शन।

बीएलओ प्रशिक्षण का अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

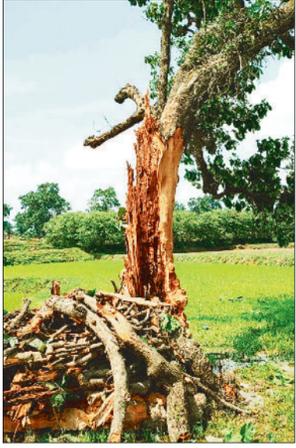
अनुपपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के सुधार एवं बूथ लेवर ऑफिसर्स की शंकाओं का समाधान करने के उद्देश्य से जिले में सभी बीएलओ के प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। इसीक्रम में 86-कोतमा विधानसभा के बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) का प्रशिक्षण 10 जुलाई को शासकीय मॉडल स्कूल कोतमा में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने निरीक्षण कर जायजा लिया और बीएलओ को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। प्रशिक्षण में 202 बीएलओ एवं 20 बीएलओ सुपरवाइजर को मास्टर ट्रेनर्स डॉ. कौशलेंद्र सिंह, अजय सिंह चौहान, डीआर बांधव, आरके मिश्रा, विजय तिवारी, संतोष सक्सेना, युके तिवारी, सुधीर जैन, रामजी पटेल, राजमणि पाण्डेय, बीके विश्वकर्मा, केके गौतम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

तड़ित चालक लगाने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ | बैकुण्ठपुर

मानसूनी सीजन में आसमान से केवल बारिश ही नहीं होती बल्कि आकाशीय बिजली का भी कहर बरसता है। कोरिया जिले में प्रतिवर्ष आकाशीय बिजली से जनधन की भी हानि होती है। जिले के सोनहत ब्लॉक में आकाशीय बिजली गिरने की घटना अधिक होती है। इसी क्षेत्र में स्थित ग्राम घटना अधिक होती है। इसी क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत लटमा मानसूनी सीजन में आकाशीय बिजली गिरने के मामले में खतरनाक क्षेत्र बन गया है।

कोरिया जिले में वैसे तो प्रतिवर्ष बरसात के सीजन में मानसून आने साथ बारिश ही नहीं बल्कि आसमान से बरसती बिजली का खौफ भी लाता है, लेकिन जिले के सोनहत ब्लॉक का कई क्षेत्र बरसात के दिनों में आकाशीय बिजली गिरने की ज्यादा घटनाएं होती हैं। सोनहत ब्लॉक का ग्राम लटमा में प्रतिवर्ष आकाशीय बिजली गिरने की घटना होती है, जो लटमा गांव की भौगोलिक स्थिति और संभवतः यहां के विभिन्न वायुमंडलीय हालात ग्राम लटमा में आकाशीय बिजली के लिए एक असामान्य रूप से संवेदनशील क्षेत्र बनाते हैं। प्रतिवर्ष मानसूनी सीजन में यहां के निवासियों के लिए बादलों की गड़गड़ाहट सिर्फ मौसम के बदलाव का नहीं बल्कि जीवन के लिए खतरे की घंटी भी बजाता है। ऐसे में ग्राम लटमा



आकाशीय बिजली की चपेट में आया पेड़।

शिक्षकों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ | बैकुण्ठपुर

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, घुघरा (सोनहत) में शिक्षकों की गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।



बच्चों से बातचीत करती कलेक्टर चंदन त्रिपाठी।

बैठक में पिछली परीक्षाओं में छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों का आंकलन करते हुए कलेक्टर ने शिक्षकों से विस्तार से व त मान शैक्षणिक सत्र का कार्यायोजना की जानकारी ली।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों की सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षण में नवीन तकनीकों जैसे ऑडियो, वीडियो और मैपिंग का उपयोग किया जाए। विषयवार चर्चा के दौरान उन्होंने सभी शिक्षकों को अपने पढ़ाने के स्तर में नवाचार लाने और बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी जैसे होते हैं, उन्हें जिस माहौल में ढाला जाएगा, वह वैसा ही बनेंगे। इसलिए उन्हें सकारात्मक और सृजनात्मक वातावरण देना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों से अंग्रेजी में संवाद करें और उन्हें अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कराएं। बैठक में कलेक्टर ने जिले के कुछ प्रेरणादायक शिक्षकों का उदाहरण



भोजन की गुणवत्ता देखती कलेक्टर।

देते हुए बताया कि थोड़ी सी अतिरिक्त मेहनत और समझदारी से कैसे छात्रों के मनोबल को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षकों को स्वामी आत्मानंद उक्तुक अंग्रेजी प्रबंधन की शैली से प्रेरणा लेने की सलाह दी। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखें, उनका समाधान किया जाएगा, लेकिन अच्छे परिणाम देने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यालय में शीघ्र ही स्मार्ट बोर्ड लगाए जाएंगे, छात्रावासों में सोलर पंप और एरिजैस्ट फैन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक के उपरांत कलेक्टर ने 10 वीं

गुरु पूर्णिमा पर कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित

अनुपपुर। गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई के अवसर पर जिले के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में मां सरस्वती वंदना, गुरुजन एवं शिक्षकों का सम्मान तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरु संस्मरण पर संभाषण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम को लाइव प्रसारण के माध्यम से देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं।

ग्रामीण की बाड़ी में लगे 11 गांजे के पौधे जब्त

मनेन्द्रगढ़। स्थानीय कोतवाली पुलिस ने गांजा तस्करी और अवैध खेती पर कड़ा रुख अपनाते हुए ग्राम पंचायत सिरौली में एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ग्रामीण के मकान से लगे बाड़ी में अवैध रूप से उगाए गए 11 नग गांजे के पौधे जब्त किए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबरी से सूचना मिली थी कि ग्राम सिरौली निवासी एक व्यक्ति अपने मकान के पास स्थित बाड़ी में गांजे के पौधे उगा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मनेन्द्रगढ़ कोतवाली की टीम मौके

जिले में अब तक 297.3 मिमी वर्षा दर्ज

मनेन्द्रगढ़। जिले में मानसून ने जोर पकड़ लिया है और लगातार हो रही बारिश से खेतों में हरियाली की उम्मीदें प्रबल हो गई हैं। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बाँते 24 घंटे में जिले में औसत 1.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि भरतपुर तहसील में अब तक की सर्वाधिक 366.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 9 जुलाई तक जिले में कुल औसत 297.3 मिमी वर्षा भू-अभिलेख शाखा द्वारा दर्ज की गई है, जो खरीफ फसलों की बोआई के लिए अनुकूल मांजी जा रही है। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार तहसीलवार वर्षा की बात करें तो मनेन्द्रगढ़ में 246.1 मिमी, खडगवां में 295.9 मिमी, चिरमिरी में 335.7 मिमी, केरलेहरी में 213.2 मिमी, भरतपुर में 366.7 मिमी और कोटाडोल में 326.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है।



अधिवक्ता संघ की बैठक लेते न्यायाधीश।

डीजे ने अधिवक्ता संघ की ली बैठक

बैकुण्ठपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यस्थता एवं सुलह परामर्श समिति (एमसीपीसी) नई दिल्ली के मार्गदर्शन में तथा छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष शैलेश कुमार तिवारी ने मध्यस्थता राष्ट्र के लिए अभियान के अंतर्गत न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकरण के लिए अधिवक्ता संघ बैकुण्ठपुर के साथ बैठक ली। एसओपी के अनुसार मध्यस्थता के माध्यम से लंबित प्रकरणों के निराकरण किए जाने के लिए 90 दिवस का समय-सीमा निर्धारित किया गया है। राष्ट्र के लिए 1 जुलाई से 7 अक्टूबर तक अभियान चलाया

जाया है। प्रधान जिला न्यायाधीश शैलेश कुमार तिवारी ने बैठक में कहा कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक विवाद समाधान की प्रक्रिया है, जो न्यायिक प्रक्रिया से अलग है, जिसमें एक तीसरे स्वतंत्र व्यक्ति मध्यस्थ दो पक्षों के बीच अपने सहयोग से उनके समान हितों के लिए एक समझौते पर सहमत होने के लिए उन्हें तैयार करता है। जिसमें पक्षकार अपनी सहमती से लंबित प्रकरणों को सौहार्दपूर्ण निपटा सकते हैं। मध्यस्थता के माध्यम से दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, ऋण वसूली, बेदखली संपत्ति विभाजन, भूमि अधिकरण सहित अन्य सार्वजनिक मामलों एवं राजिनामा योग्य आपराधिक मामलों का निपटारा संभव है। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने मध्यस्थता कार्रवाई में आने वाली समस्याओं के संबंध में अधिवक्तागण से चर्चा किया और अधिक से अधिक न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता से निराकरण किए जाने का अपील किया। अधिवक्ता संघ के द्वारा उक्त अभियान को सफल बनाने के लिए पर्याप्त सहयोग दिए जाने का आश्वासन दिया। उक्त बैठक में विशेष न्यायाधीश बैकुण्ठपुर आशीष पाठक, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर कुजूर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बीपी मोहंती, सचिव मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, समस्त अधिवक्ता एवं लीगल डिफेंस सिस्टम के चीफ अजय सिंह, डिप्टी एवं असिस्टेंट उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे-43 पर गिरा विशाल पेड़...



मनेन्द्रगढ़। लगातार बारिश के चलते नेशनल हाइवे क्रमांक 43 पर गुरुवार को एक विशालकाय पेड़ अचानक गिर पड़ा, इससे सड़क पर यातायात बाधित हो गया है। पेड़ के गिरने से वहां से गुजर रही बिजली लाइन भी टूट गई, इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार पेड़ गिरने के बाद बूट वाहनों का आना-जाना जारी था, इससे कभी भी कोई गंभीर हादसा हो सकता था। आश्चर्य की बात यह है कि घटना की सूचना मिलने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारी काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंचे।

जनदर्शन से भुनेश्वर को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज़ | बैकुण्ठपुर

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में एक और आमजन को राहत मिली। ग्राम चिल्का, तहसील बैकुण्ठपुर निवासी भुनेश्वर सिंह पिता स्व. रामऔतार, जाति गोंड ने जनदर्शन में आवेदन देकर राजस्व अभिलेखों में सुधार की मांग की थी, इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन द्वारा उचित निराकरण किया गया। आवेदक ने जानकारी दी कि ग्राम चिल्का स्थित खसरा नंबर 40, 46, 50, 53, 60, 64, 105, 119, 226 कुल रकबा 3.1000 हेक्टेयर भूमि उनके एवं उनकी माता स्व.



कौशल्या के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज थी। उनकी माता कौशल्या का 27 अप्रैल को निधन हो गया, जिसकी सूचना व मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उन्होंने राजस्व अभिलेखों से उनकी माता का नाम विलोपित करने के लिए तहसीलदार बैकुण्ठपुर

का लाभ नहीं मिल पा रहा था। समिति द्वारा सहखातेदार की सहमति पत्र की मांग की जा रही थी, जो स्वाभाविक रूप से प्रस्तुत किया जाना संभव नहीं था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर बैकुण्ठपुर तहसीलदार श्रीमती अमृता सिंह को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त किया गया, तहसीलदार उनके घर पहुंचकर दुरुस्त राजस्व अभिलेखों को उपलब्ध कराया, जिससे अब श्री सिंह को भूमि संबंधी लाभ व कुपिगत योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

आदिवासी विकास को समाजशास्त्री दृष्टिकोण से देखना जरूरी

मनेन्द्रगढ़। आदिवासियों के विकास को समाजशास्त्री दृष्टिकोण से देखना आज की आवश्यकता है। आदिवासियों को यदि हम पुरातन परिवेश में आज भी देखना चाहेंगे तब यह उनके साथ अन्याय होगा। समय के अनुसार अब वह बदलाव का दृष्टिकोण धीरे-धीरे आंदोलन का रूप ले रहा है। मैं साहित्यकारों एवं समाज संबंधी विद्वानों से भी इस विषय पर सहयोग की अपेक्षा रखता हूं। उक्तार्थय के विचार देश के ख्याति प्राप्त साहित्यकार एवं छग वनमाली सुजन पौठ बिलासपुर के अध्यक्ष सतीश जायसवाल ने निदान सभागार में वनमाली सुजन केन्द्र मनेन्द्रगढ़ द्वारा आयोजित परिचर्चा में व्यक्त किए।

समय परिवर्तन से पढ़ाई होगी प्रभावित, छोटे बच्चे होंगे परेशान

आत्मानंद महलपारा में जगह नहीं, दो पाली में स्कूल संचालन

हरिभूमि न्यूज़ | बैकुण्ठपुर

स्वामी आत्मानंद उक्तुक अंग्रेजी माध्यम विद्यालय महलपारा में पढ़ने वाले प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से 5 वीं के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय समय में बदलाव किया गया है। विद्यालय प्रबंधन के सूचना अनुसार 10 जुलाई से कक्षाएं प्रत्येक दिन सुबह 7:30 से 11:30 बजे तक संचालित की जा रही हैं। यह निर्णय हिन्दी मीडियम के बच्चों के लिए भवन की व्यवस्था नहीं होने के लिए लिया गया है, बताया जा रहा है कि जर्जर भवन में खुले हिन्दी मीडियम स्कूल का छज्जा बोते दिवस गिर गया है, जिसकी वजह से एक पॉली में स्कूल संचालित कर पाना संभव नहीं है,



विद्यालय प्रबंधन ने इसकी जानकारी विभाग के उच्चाधिकारियों को दे दी है। वहीं अभिभावकों का कहना है कि इतनी सुबह छोटे बच्चों को स्कूल भेजना काफी कठिन हो गया है,

खासकर मानसून सीजन में। इसके अलावा समय कम होने से बच्चों का पढ़ाई भी काफी प्रभावित होगा। कई पाली में स्कूल प्रबंधन और जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी से अपील किया है कि या तो विद्यालय भवन का विस्तार किया जाए, या फिर हिन्दी मीडियम के प्राथमिक खंड के लिए अलग भवन की व्यवस्था विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाए।

इंडियन नर्सिंग कॉलेज एवं छ.ग. नर्सिंग रजिस्ट्रेशन कॉलेज से मान्यता प्राप्त पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग
(04 वर्षीय पाठ्यक्रम)
100% CAMPUS PLACEMENT

पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग
(02 वर्षीय पाठ्यक्रम)

जी.एन.एम. नर्सिंग
(03 वर्षीय पाठ्यक्रम)

रस्तागी कॉलेज ऑफ नर्सिंग
मॉडल टाउन, नेहरू नगर (पूर्व) मिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
9300558900, 9300509100

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बावपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
विश्वीय सुवर्ण, पुरस्कार की विभागीय (अजायब लेन)
नर्सिंग कक्षा एवं नर्सिंग प्रशिक्षण

डॉ. वी. मित्र
MBBS, DNB
सर्वोच्च उच्चतम/दुर्लभ गुण मिलने वाले को विकसित करने में सक्षम, पुरस्कार की विभागीय (अजायब लेन)
कठिन रूढ़ि, रूढ़ि, रूढ़ि का रूढ़ि एवं रूढ़ि का रूढ़ि

डॉ. संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicine (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
एच.एच.आर.एस. (अजायब लेन)

सर्गुजा संभगी की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilities

डॉक्टर्स हाउस @ सर्गुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
नर्सिंग कक्षा के सामने, जिला अस्पताल परिसर

डॉ. महावीर सिंह जोशी
MBBS, DNB (Haberhub)
FEN (Jabalpur), CNES AHMS (Delhi)
81 एच.एच.आर.एस. (अजायब लेन)

13 जुलाई 2025 माह के दुसरे रिविवार
अभियान पंचायत हेतु सम्पर्क करें
07774222555, 9425583789, 9826183788, 8224007799, 8718063306, 6262639096

आयुष्यमान योजना द्वारा धर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

हड़ताल के कारण लक्ष्य का 25 प्रतिशत हो सका कोल उत्पादन

बिश्रामपुर। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए चार श्रम सुधार कानून सहित अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को एक दिवसीय राष्ट्र व्यापी हड़ताल का विश्रामपुर व भटगांव क्षेत्र में आंशिक असर रहा। विश्रामपुर क्षेत्र सामान्य दिनों की तरह बुधवार को करीब 2 हजार टन कोयला का उत्पादन किया, वहीं कोल डिस्पैच आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है। हड़ताल दिवस को विश्रामपुर क्षेत्र ने उत्पादन की अपेक्षा दोगुना से ज्यादा 4486.82 टन कोयला रोड सेल के माध्यम से सम्बंधित पार्टियों को भेजा गया है। हड़ताल दिवस खदानवार कोयला उत्पादन की प्राप्त जानकारी अनुसार रेहर खदान को 226 टन कोयला उत्पादन करना था जबकि खदान से महज 20 टन ही कोयला निकाला जा सका। गायत्री खदान का लक्ष्य 1774 टन था जबकि यहां से महज 627 टन कोयला निकाला जा सका, देश की पहली एमडीओ मोड में संचालित केतकी भूमिगत खदान प्राप्त लक्ष्य 1516 टन की जगह 1300 टन कोयला निकाल सकी है। क्षेत्र की अन्य खदानों में आमगांव खदान से महज 60 टन कोयला उत्पादन हुआ। इस प्रकार क्षेत्र एकदिवसीय लक्ष्य 8,355 की जगह 2007 टन कोयला उत्पादन किया। जबकि क्षेत्र में हड़ताल दिवस 8400 क्यूबिक मीटर ओबी हटाने का का कार्य आमगांव खदान से हुआ है। वहीं भटगांव क्षेत्र से भी हड़ताल दिवस सामान्य दिनों की तरह 12 हजार टन कोयला का उत्पादन किया। दोनों क्षेत्रों में कोल कर्मचारियों की उपस्थित पचास प्रतिशत से अधिक रही है।

महेशपुर की धरोहर उपेक्षित नाराज हुए प्रबल



केदमा। जिले के महेशपुर स्थित पुरातात्विक स्थल पर पहुंचे प्रबल प्रताप सिंह जुदेव ने मूर्तियों को देखेख में लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यहां की ऐतिहासिक धरोहरों की सफाई और संरक्षण पर विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। मूर्तियों पर मिट्टी जमी है और कीड़े-मकोड़े घर बना चुके हैं। जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर महेशपुर में शैव, वैष्णव और जैन धर्म से जुड़ी कई प्राचीन मूर्तियां और कलाकृतियां मौजूद हैं। यहां अब तक चार टीले खुदाई में सामने आए हैं। इन टीलों से शिव-पार्वती के मंदिर और मूर्तियों के अवशेष मिले हैं। महेशपुर का यह क्षेत्र रामगढ़ के पास रेण नदी के किनारे स्थित है। यहां 8वीं से 13वीं सदी के बीच की कला और संस्कृति का अद्भुत विकास हुआ था। रामगढ़, महेशपुर का भू-भाग भगवान राम के वनगमन मार्ग से जुड़ा माना जाता है। जनश्रुतियों के अनुसार, जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका यहां रेण नदी के रूप में प्रवाहित होती हैं। जुदेव ने यहां स्थापित प्राचीन शिवालिंग के दर्शन किए। प्राकृतिक सौंदर्य और कलाकृतियों को देखकर वे प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यटन मंत्री और मुख्यमंत्री से इस विषय पर चर्चा करने की बात कही।

सर्पदंश की घटना होने पर झाड़-फूक में न करें समय नष्ट, शीघ्र पहुंचे अस्पताल

सूरजपुर। वनांचल क्षेत्र होने के कारण बरसात का मौसम शुरू होने ही वातावरण में नमी और उमस बढ़ने तथा वर्षा का पानी बिलों में भर जाने के कारण भोजन की तलाश में जहरीले कीट, सांप बिच्छू सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर बाहर आ जाते हैं। भोजन की खोज में घरों में घुस जाते हैं और लोगों को काटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। सर्पदंश से अधिकांश व्यक्तियों की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण सर्पदंश के मामले में चिकित्सा विज्ञान पर विश्वास नहीं रखते है तथा बैशा गुनिया से झाड़-फूक कराते हैं एवं अंधविश्वास व अज्ञानता के कारण असमय कालकवलित हो जाते हैं। झाड़-फूक से किसी भी सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को जान नहीं बचाई जा सकती है। अंधविश्वास के कारण ग्रामीण सर्पदंश के मामलों में झाड़-फूक में समय नष्ट कर मरणसंज्ञ स्थिति में पीड़ितों को चिकित्सालय लाया जाता है, जिससे ऐसे में मामलों में जीवन बचाने में चिकित्सक भी असफल रहते हैं। सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकुर ने बताया कि जिला चिकित्सालय में 340, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 2221 एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 751 एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन उपलब्ध है।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने किया गया पौधरोपण



करवा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और मातृत्व के प्रति श्रद्धा प्रकट करने की भावना से प्रेरित होकर शासकीय पौधे माध्यमिक शाला कसलगिरी में एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसईसीएल नवापारा लटोरी के खान प्रबंधक एमके चतुर्वेदी, सेप्टी ऑफिसर प्रकाश चंद्र, अभियंता अभिषेक श्रीवास्तव एवं उनकी टीम ने विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। प्रधानाध्यापक द्वारा योजना की महत्ता और इसके दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डाला। खान प्रबंधक श्री चतुर्वेदी ने कहा कि मां का स्थान हमारे जीवन में सबसे ऊपर है और पेड़ प्रकृति की मां के रूप में जीवनदायिनी हैं। यह केवल एक पौधा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित धरोहर है। अतिथियों एवं स्कूलों के बच्चों ने साथ मिलकर आम, मुनगा, कटहल, काजू, गुलमोहर एवं सजावटी पौधे विद्यालय परिसर में लगाए। लटोरी खान प्रबंधक की टीम के द्वारा आज हाई स्कूल लटोरी, माध्यमिक शाला लटोरी भंडार पारा, माध्यमिक शाला गजाधरपुर में एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधारोपण किया गया। शिक्षकों व एसईसीएल टीम ने पौधों की देखभाल का उत्तरदायित्व भी लिया। साथ ही लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनोज कुमार राजवाड़े, राघव प्रसाद, रवि शंकर सोनी, ब्रज प्रसाद एक्का, नंदकिशोर कुशवाहा, शमा बेगम व अन्य उपस्थित थे।

आम आदमी की पहुंच से दूर हुई सब्जियां लगातार बारिश ने बिगाड़ा सब्जियों का स्वाद, आसमान पर पहुंची कीमते

हरिभूमि न्यूज ►► अम्बिकापुर

सरगुजा में 20 दिनों तक हुई लगातार बारिश से सब्जियों की फसल पर विपरीत प्रभाव पड़ा है तथा फसल खराब होने के कारण कीमते आसमान पर पहुंच गई हैं। हालात यह है कि आलू, प्याज की छोड़कर अन्य सभी सब्जियों की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। सब्जी विक्रेता मौसम के अनुकूल रहने पर एक पखवाड़े में कीमतें सामान्य स्थिति में पहुंचने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं।

बरसात के मौसम में हर साल सब्जियों की कीमत में उछाल आता है लेकिन लम्बे अरसे बाद इस बार जून में ही कीमतें आसमान पर पहुंच गईं। आलू, प्याज की कीमतें यथावत हैं जबकि अन्य सब्जियों के दामों में चारगुना से अधिक की वृद्धि हो गई है। कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि होने के कारण सब्जियां सामान्य लोगों की पहुंच से दूर हो गई हैं वहीं मध्यम वर्गीय परिवार के बजट को बिगाड़ रही है। यह भी सच है कि सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में सरगुजा के किसान प्रदेश स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। सब्जी उत्पादन के रकबे में भी लगातार वृद्धि हो रही है इसके बावजूद बरसात में मांग के अनुरूप सब्जियों का उत्पादन नहीं हो रहा है। पूर्व में बरसात के समय सरगुजा में टमाटर का उत्पादन नहीं होता था लेकिन उत्पादक किसानों ने अपनी मेहनत से ब बड़े पैमाने पर बरसात में टमाटरका उत्पादन कर अच्छी कमाई कर रहे हैं। अन्य सब्जियों का भी उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है लेकिन किसानों को अभी तक लगातार बारिश से फसलों को बचाने का उपाय नहीं मिल पाया है।



गुदरी बाजार में सब्जी बेचते ग्रामीण, इनसेट में पुटू बेचते व्यापारी।

पुटू 400 रुपए किलो

सरगुजा में जंगलों में बहुतायत में पाए जाने वाले पुटू, खुखड़ी की भारी मांग है। प्रारंभ में 600 रुपए किलो बिकने वाला पुटू अब 400 रुपए किलो बिक रहा है तथा लोग इसे खरीद भी रहे हैं। अभी खुखड़ी की आवक बेहद कम हो रही है। लोग इसे प्राकृतिक मशरूम की किस्म बताते हैं तथा इसके स्वाद को काफी पसंद करते हैं। सरगुजा का पुटू अब महानगरो तक पहुंच गया है। पुटू एवं खुखड़ी की कीमतें अत्यधिक होने के बावजूद इसकी जमाकर बिक्री हो रही है।

बैंगलोर से पहुंच रहा टमाटर

टमाटर की कीमतें 60 रुपए किलो पहुंच गईं थीं। बारिश में उत्पादन प्रभावित होने के बाद अब व्यापारी बैंगलोर का टमाटर मंगा रहे हैं। बैंगलोर का टमाटर पहुंचने के बाद स्थानीय टमाटर का केज कम हो गया है टमाटर उपलब्धता के आधार पर 35-40 रुपए किलो बिक रहा है। बरसात के समय व्यापारी पड़ोसी राज्यों एवं छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से सब्जियां मंगाने हैं लेकिन लगातार बारिश के कारण बाहर से आने वाली सब्जियां खराब हो जा रही हैं जिसके कारण व्यापारी बाहर की सब्जियां नहीं मंगा रहे हैं। मौसम में बदलाव होने के बीच-बीच में नियमित धुंध निकलने पर सब्जियों का उत्पादन बढ़ने एवं दूसरे राज्य से भी सब्जियों की आवक होने पर कीमतों में कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

जानकारों का कहना है कि मई में मौसम अनुकूल होने एवं अच्छी वर्षा होने के कारण कृषकों ने टमाटर सहित अन्य बरसाती सब्जियों की फसल लगा दिए थे। जून में जैसे ही फल आने शुरू हुए बारिश प्रारंभ हो गई। लगातार 20 दिनों तक बारिश होने के कारण सब्जियों की फसल रूग्ण होकर सड़ने लगी। इस बीच धूप नहीं निकलने के कारण अधिकांश फसल अनुकूल होने एवं अच्छी वर्षा होने के कारण कृषकों ने टमाटर सहित अन्य बरसाती सब्जियों की फसल लगा दिए थे। जून में जैसे ही फल आने शुरू हुए बारिश प्रारंभ हो गई। लगातार 20 दिनों तक बारिश होने के कारण सब्जियों की फसल रूग्ण होकर सड़ने लगी। इस बीच धूप

है। हालात यह है कि बरसात में बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाला कुंदरू भी 60 रूपए किलो बिक रहा है। बरसात में होने वाले कोर्छे, साखेन आदि भी दोगुने कीमत पर बिक रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा रकबा

सरगुजा समगा में सब्जी की खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है। ऊंचे खेतों में दलहन-तिलहन की खेती करने वाले किसान भी सब्जियों की खेती को अपना रहे हैं क्षेत्र की मिट्टी एवं मौसम के अनुसार विभिन्न किस्मों की खेती कर रहे हैं। इतना सबकुछ होने के बावजूद लगातार बारिश से फसलों की भारी नुकसान हुआ है। हालात यह है कि करेला, बरबट्टी, डोंडका, परवल 80 रुपए किलो की दर से बिक रहा है।

15 दिन में होगा सुधार

लगातार बारिश होने के कारण फसलों के खराब होने एवं उत्पादन घटने के कारण कीमतें बढ़ी हैं। अब धूप निकल रही है। मौसम अनुकूल रहा तो एक सप्ताह में उत्पादन बढ़ जाएगा तथा 15 दिन में कीमतें सामान्य हो जाएगी।

-केशी प्रसाद केशरी अध्यक्ष, थोक सब्जी विक्रेता संघ

पांचवीं-आठवीं की अंकसूची में त्रुटि बच्चे व अभिभावक दोनों परेशान

हरिभूमि न्यूज ►► विश्रामपुर

सूरजपुर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सिलफिली क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में इस वर्ष कक्षा 8 वीं के रिजल्ट में हुई गंभीर गड़बड़ी ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को गहरे संकट में डाल दिया है। रिजल्ट में त्रुटियों के चलते कई बच्चों का कक्षा 9 वीं में प्रवेश रुक गया है, जिससे न सिर्फ शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है बल्कि बच्चों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कक्षा 8 वीं का जो वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी किया गया है, उसमें नाम, माता व पिता का नाम और विषयवार विवरण में भारी विसंगतियां पाई गई हैं। इन गड़बड़ियों के चलते बच्चों को आगे की कक्षा में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। नतीजा यह कि जहां एक ओर नए सत्र की कक्षाएं प्रारंभ हो चुकी हैं, वहीं ये बच्चे और उनके अभिभावक

दूसरी बार छपी अंकसूची उसमें भी गड़बड़ी

बताया जाता है कि कई शिक्षा नीति के तहत इस वर्ष पांचवी आठवीं की केंद्रीयकृत(बोर्ड) की परीक्षा ली गई थी जिसमें जिलावार बच्चों के प्राप्तांक व उनके डीटेल एक्सल डाटा में संगठन मार्कशीट प्रिंटिंग के लिए रायपुर भेजा गया था, जहां पहली बार भेजी गई अंकसूची में बड़ी त्रुटि मिलने के बाद उसका वितरण रोक दिया गया था, बाद में सुधार कर दूसरी बार अंकसूची आई है उसमें भी कई विद्यार्थियों के नाम सहित अन्य विवरण में त्रुटि मिल रही है जिससे बच्चों और अभिभावकों परेशान हैं। इस संबंध में सूरजपुर खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार पोरेते ने बताया कि दूसरी बार भी रायपुर से बतकर आई अंकसूची में गड़बड़ी की जानकारी मिली है गड़बड़ी वाले अंकसूची का वितरण रोक दिया गया है। डाटा संगठन कर पुनः रायपुर भेज रहे हैं सुधार के बाद अंकसूची का वितरण होगा। इसमें परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रवेश के लिए किसी भी बच्चे को दिक्कत न हो इसके लिए सभी स्कूलों को निर्देशित किया गया है, स्कूल के रिकॉर्ड के आधार पर बच्चों को संबंधित विद्यालय में तत्काल प्रवेश देने की व्यवस्था की गई है।

स्कूलों के चक्कर लगाते फिर रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि वे लगातार शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन हर बार आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिल रहा है। इस पूरे मामले में सबसे चिंता की बात यह है कि शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। न तो कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और न ही कोई उचित कदम उठाए जा रहे हैं। इससे लोगों में विभाग की कार्यशैली को लेकर गहरी नाराजगी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने चेतावनी है कि यदि शीघ्र ही रिजल्ट की गलतियों को सुधारते हुए बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो जन आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

नशीले इंजेक्शन एवं कफ सीरप के साथ पकड़ा गया युवक

सूरजपुर। घर में अवैध रूप से नशीला इंजेक्शन एवं कफ सीरप की बिक्री कर रहे युवक को आबकारी टीम ने गिरफ्तार किया है। टीम ने युवक के विरुद्ध एनडीएल के तहत अपराध दर्ज कर व्याख्यालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आबकारी के अनुसार क्षेत्र में गश्त कर रहे आबकारी उप निरीक्षक प्रदीप वर्मा को मुसहिर से सूचना मिली कि महुआ पारा निवासी मनीष गौर, घर में अवैध रूप से नशीले इंजेक्शन एवं कफ सीरप बिक्री कर रहा है। सूचना पर आबकारी की टीम ने मनीष के घर दबिश देकर उसके पास से 20 नग इंजेक्शन एवं 16 न कफ सीरप बरामद किया। टीम ने नशीले इंजेक्शन एवं कफ सीरप को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीएल के की धारा 22 (सी) के तहत अपराध दर्ज कर व्याख्यालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कार्यवाई में आबकारी उप निरीक्षक वीरेंद्र राणे, आरक्षक कमलेश्वर राजवाड़े, महिला नगर सैनिक देवेन्द्र कुमार सहित अन्य सक्रिय रहे।

मंत्री के प्रयासों से मिली सूरजपुर को सड़क विकास की सौगात

हरिभूमि न्यूज ►► अम्बिकापुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले में भटगांव से अनरोखा पकनी तक 7.80



किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण व निर्माण को राज्य शासन ने 10.95 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। यह मंजूरी वित्त विभाग की सहमति के बाद जारी हुई है। यह सड़क परियोजना आवागमन को सुगम बनाने के साथ

व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को भी गति देगी। क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने गंभीरता से लेकर सरकार के समक्ष लगातार रखा, जिसके फलस्वरूप स्वीकृति प्राप्त हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दे रही है।

यह सड़क बरसात में होने वाली दिक्कतों को खत्म कर एंबुलेंस, स्कूल वाहन व आपातकालीन सेवाओं की सुविधा बढ़ाएगी। परियोजना की गुणवत्ता और समय सीमा की निगरानी संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। यह कार्य न सिर्फ बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि क्षेत्रीय विकास का नया अध्याय भी जोड़ेगा।

एसएसपी ने ऑपरेशन तलाश अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी व जवानों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ►► सूरजपुर

जिले की पुलिस ने ऑपरेशन तलाश में गुम हुए महिला एवं पुरुषों को दस्तयाब करने बड़ी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए 119 लोगों को दस्तयाब करने में सफल रही है। दस्तयाब के इस अभियान में 119 गुम इंसानों को किया परियोजना के सुपुर्द



कर ऐसे संभावित स्थान पर रवाना किया गया, जहां गुम व्यक्ति के मिलने की संभावना थी। अभियान में रेंज के सूरजपुर पुलिस गुम इंसान दस्तयाबी के प्रतिशत में प्रथम स्थान पर रहा। ऑपरेशन तलाश के तहत थाना सूरजपुर द्वारा 31, थाना चंदौरा 2, थाना भटगांव 19, थाना ओड़गो 5, थाना प्रतापपुर 10, थाना रामानुजपुर 22, थाना विश्रामपुर 13, थाना झिलमिली 5, थाना प्रेमनगर 3, थाना जयनगर 6, थाना चिंदनी 3 जिसमें 103 महिला एवं 16 पुरुष सहित कुल 119 गुमशुदा व्यक्तियों को दिल्ली, गोवा, बिहार व अन्य जिलों से दस्तयाब किया गया है। सभी गुम

इंसानों को सकुशल उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। तलाश अभियान के दौरान थाना विश्रामपुर क्षेत्र की एक गुम महिला को दिल्ली के जाफराबाद में होने की जानकारी हाथ लाने पर पुलिस टीम दिल्ली जाकर काफी पतासाजी व खोजबीन और सूझबूझ का इस्तेमाल कर महिला को दस्तयाब करने में सफल रही, गुम महिला के 2 छोटे बच्चे हैं जिन्होंने अपनी मां को वापस पाकर उनके चेहरे खिल उठे। गुम इंसान को दस्तयाब के लिए चलाए गए ऑपरेशन तलाश के प्रभावी क्रियान्वयन, गठित टीम द्वारा दस्तयाब करने, दस्तयाब संवेदनशीलता से करने, संचार माध्यमों के जरिये बेहतर समन्वय बनाकर उत्कृष्ट कार्य पर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने निरीक्षक जावेद मियांदाद, एसएसआई राकेश यादव, मनोज द्विवेदी, राजकिशोर खलखो, क्षेत्रपाल सिंह, प्रधान आरक्षक भुनेश्वर केरकेटा, रमन नेताम, कृष्णकांत पाण्डेय, हीरालाल बखला, नवीन सिंह, महिला प्रधान आरक्षक पुष्पा पैकुरा, प्रधान आरक्षक पवन कुमार, अनिल कुजूर, जयप्रकाश तिवारी, आरक्षक युवराज यादव व राशन तिकी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

एनएच 43 स्थित सिलफिली कालीघाट मार्ग बहाल

बिश्रामपुर। विश्रामपुर-अम्बिकापुर को जोड़ने वाली एन एच 43 की स्थिति दिन व दिन बदहाल हो चली है जो कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए असहनीय स्थिति बन रही है। खासकर सिलफिली बटालियन से लेकर कालीघाट तक का मार्ग इस कदर जर्जर हो चुका है कि हर गुजरने वाले वाहनों को दुर्घटना होने का भय बना रहता है। जगह-जगह बने खतरनाक गड्ढों ने इस महत्वपूर्ण राजमार्ग को दुर्घटना पथ में तब्दील कर दिया है। इस गंभीर स्थिति को लेकर जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने कलेक्टर सूरजपुर को एक ज्ञापन सौंपकर इसकी शीघ्र मरम्मत कार्य कराने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य आरंभ नहीं किया गया, तो वे ग्रामीणों और स्थानीय जनसमूह के साथ मिलकर एन एच चक्का जाम व आंदोलन करेंगे। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के इस हिस्से में सैकड़ों दो पहिया, चार पहिया व

नागरिकों में अब भारी आक्रोश पनप रहा है। रोजाना स्कूल जाने वाले बच्चे, आपातकालीन स्थिति के मरीज, ग्रामीण, व्यापारी, कामकाजी युवा और महिलाओं को पथ में तब्दील कर दिया है। इस गंभीर स्थिति को लेकर जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने कलेक्टर सूरजपुर को एक ज्ञापन सौंपकर इसकी शीघ्र मरम्मत कार्य कराने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य आरंभ नहीं किया गया, तो वे ग्रामीणों और स्थानीय जनसमूह के साथ मिलकर एन एच चक्का जाम व आंदोलन करेंगे। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के इस हिस्से में सैकड़ों दो पहिया, चार पहिया व

स्वास्थ्य सेवाएं और कृषि कार्यों की समीक्षा



बैठक लेती कलेक्टर।

हरिभूमि न्यूज ►► बैकुण्ठपुर

कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने विभिन्न विभागों की योजनावार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और प्रभावी रूप से पहुंचे, इसके लिए निरंतर निगरानी करें और जमीनी क्रियान्वयन आवश्यक है। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय निकाय, स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति व जनजाति विकास, श्रम, पशुपालन एवं कृषि विभाग सहित विभिन्न योजनाओं की सिलसिलेवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने धरती आवा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया कि जिले के 154 जनजातीय ग्रामों का चयन किया गया है, जहां रह रहे परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 15 जुलाई

तक सभी गैस को भरने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को आयरन टेबलेट व आंगनबाड़ी केन्द्रों में आयरन सिरप पिलाने की व्यवस्था की जाए और सिकलसेल, टीबी जांच तथा आयुष्मान कार्ड निर्माण प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने बुजुर्गों एवं मानसिक रोगियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाओं की उपलब्धता और सांप काटने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटीवेनम वैक्सिन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

नालियों का कराए नियमित सफाई

कलेक्टर ने तीनों नगरीय निकायों के अधिकारियों से कहा है कि नियमित रूप से नालियों का सफाई कराए व व्यवस्था का निरीक्षण भी करें, मोहल्ले व कॉलोनिजों में कीटाणुनाशक व मच्छर मारने की दवा का छिड़काव भी करें।

Advertisement for Haribhumi News Channel 1, featuring the text 'आवश्यक सूचना' (Essential Information) and 'प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें' (Dear customers, if any other newspaper is given in place of Haribhumi, please contact this number). It includes a phone number: 9826154736.

Advertisement for '7 ज्योतिर्लिंग यात्रा' (7 Jyotirlinga Yatra) by Shri Tripura Tirth Yatra Seva Samiti. It lists dates: 13 August, 10 September, 24 September, 01 October, 29 October, 12 November, 17 December 2025. It also lists the cost: ₹16,500/- for the first class, ₹27,500/- for the second class, and ₹32,500/- (+5% GST) for the third class. The address is RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road. Contact number: 7354-411411.